चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	23.3.26	2	4-5

दैनिक भास्कर

हिसार में कृषि मेला आज से, 42 प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित

सीएम होंगे मुख्य अतिथि, 250 स्टॉल लगाई जाएंगी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 23 मार्च से दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। मेले में 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि मेले में 250 स्टॉल लगाई जाएंगी, जिनमें 165 स्टॉलें निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा तथा 60 स्टॉलें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, उद्यान विभाग तथा मत्स्य विभाग द्वारा लगाई जाएंगी। 25 स्टॉलें प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाई जाएंगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि मेले में आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, प्रगतिशील किसानों का सम्मान, उन्नत किस्म के बीजों और नवीनतम तकनीक की जानकारी, मिट्टी एवं पानी के नमूनों की सामान्य शुल्क पर जांच, रोग ग्रस्त फसलों की जांच एवं निदान, गृह विज्ञान संबंधी जानकारी, कृषि विशेषज्ञों के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र, खरीफ फसलों एवं सब्जियों के उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी और बिक्री, विश्वविद्यालय के प्रकाशन की बिक्री तथा हरियाणवी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	23-3-26	10	6-8

उन्नत बीज और वैज्ञानिकों की सलाह से खेती कर कम लागत में ले सकते हैं अधिक उत्पादन

■ हकृवि में किसानों के लिए फील्ड डे कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हिसार। आए हुए किसानों के साथ वैज्ञानिक। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना तथा भारतीय जल प्रबंधन संस्थान के सहयोग से मृदा विज्ञान विभाग की ओर से किसानों के लिए फील्ड डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, जल प्रबंधन तथा उर्वरक प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने की।

डॉ. दिनेश तोमर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की अनेक उन्नत किस्में विकसित की गई हैं। किसान उन्नत किस्मों के बीज एवं वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार खेती करके कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मूंग की उन्नत किस्म एमएच-421 विकसित की गई है। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को मूंग फसल की बेहतर किस्मों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीक तथा फसल उत्पादन की आधुनिक विधियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में किसानों को मूंग की उन्नत किस्म एचएम-421 के प्रमाणित बीज तथा आवश्यक उर्वरकों का वितरण किया गया, ताकि किसान उन्नत तकनीकों का उपयोग कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान किसानों को मूंग फसल की उन्नत किस्मों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीकों तथा आधुनिक कृषि विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि समय पर सिंचाई, संतुलित उर्वरकों का उपयोग और उन्नत बीजों के प्रयोग से मूंग की पैदावार और गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण भी कराया गया, जहां विभिन्न अनुसंधान प्लॉट, नई किस्मों के प्रदर्शन और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन दिखाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	23.3.26	10	3-7

हकृवि ने एबिक के स्टार्टअप्स के लिए जारी की अनुदान राशि

हकृवि ने कृषि, डेयरी व मशरूम के क्षेत्र में नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उठाए महत्वपूर्ण कदम : प्रो. बीआर कम्बोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शोध करना नहीं बल्कि शोध को किसानों और उद्योगों तक पहुंचना है। विश्वविद्यालय ने कृषि, डेयरी और मशरूम के क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बीआर कम्बोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के अंतर्गत तीन नवाचार आधारित स्टार्टअप को स्वीकृत अनुदान राशि के चेक वितरित करते हुए कही।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य कृषि आधारित स्टार्टअप को मजबूत प्लेटफार्म प्रदान करना है,जिससे नई तकनीकें किसानों और पशुपालकों तक तेजी से पहुंच सके। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के माध्यम से कृषि डेयरी और मशरूम उत्पादन जैसे अन्य क्षेत्रों में आधुनिक समाधान विकसित हो रहे हैं, जो किसानों की आय बढ़ाने और लागत कम करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य में एबिक द्वारा और अधिक नवाचारों को प्रोत्साहन दिया जाएगा जिससे युवा उद्यमियों को रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर मिलेंगे।

हिसार। स्टार्टअप्स को चेक प्रदान करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

एबिक के नियंत्रण अधिकारी एवं अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने स्टार्टअप्स के लिए प्रदान की गई अनुदान राशि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वनपरोज एग्रोवेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रबुद्ध मिश्रा को आठ लाख रुपए की किस्त प्रदान की गई है। यह स्टार्टअप पोटैशियम ह्यूमेट आधारित उत्पाद बना रहा है जो मिट्टी की भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणवत्ता को बेहतर बनाकर फसल की वृद्धि, पोषक तत्वों के अवशोषण तथा उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार करता है। इसी प्रकार वट सर्व एनिमल केयर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सजल श्रीवास्तव को 10 लाख रुपए की किस्त जारी की गई।

आधुनिक तकनीक से लैब स्थापित

इस स्टार्टअप ने डेयरी पशुओं में होने वाले थनैला रोग की पहचान और नियंत्रण के लिए उन्नत डायग्नोस्टिक आधारित तकनीक से लैब स्थापित की है। यह प्रणाली सब क्लीनिकल मास्टर टेस्ट का पता लगाने में सहायक है जिससे किसान अपने दूध उत्पादन में वृद्धि करके आय में बढ़ोतरी कर सकता है। रॉयल मशरूम एंड वेजिटेबल एलएलपी के निदेशक अंकित कुमार को भी उनकी परियोजना के लिए दूसरी किस्त का दो लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। यह स्टार्टअप इंडोर विधि से मशरूम उत्पादन के लिए पोषक तत्वों से भरपूर पास्चुरीकृत कंपोस्ट और मशरूम ग्रोइंग किट बना कर रहा है जिससे छोटे स्तर पर भी मशरूम उत्पादन को सरल और सुविधाजनक बनाए जा सकेगा। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि कहा कि एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर द्वारा प्रदान की गई ट्रेनिंग का उद्देश्य कृषि, डेयरी और मशरूम उत्पादन जैसे क्षेत्रों में नई तकनीक को बढ़ावा देना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमीत समाचार	23.3.26	5	6-8

कृषि मेले में आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित

हिसार, 22 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 23 मार्च से दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। मेले में कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। इस दौरान प्रदेश के 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि कृषि और उससे संबंधित विभिन्न व्यवसायों व अन्य उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदेश के 42 प्रगतिशील किसानों का चयन किया गया है जिन्हें कृषि मेले में सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित किए जाने वाले इन किसानों में जिला करनाल के गांव गगसीना से जगबीर सिंह, प्योंत से प्रियंका, पलवल के गांव यादूपुर से भगवान स्वरूप, अल्लिका से ज्योति, हिसार के गांव सातरोड कलां से राजेन्द्र सिंह, सदलपुर से प्रोमिला खीचड़, भिवानी के गांव रानीला से मुंशी राम, ईशरवाल से सुदेश, यमुनानगर के गांव रादौरी से छवि प्रकाश, मिल्कखास से रेखा रानी, पानीपत के गांव बिल्लासपुर से प्रवीन, नौल्था से निशु, महेन्द्रगढ़ के मोहल्ला लाला वाला कुआ से ओम प्रकाश यादव, गांव राजावास से जागृति, जींद के गांव रधाना से दलबीर सिंह चहल, रामराय से कुसुम, कैथल के गांव लदानाचक्कू से जोधाराम, खेडीलांबा से मुकेश देवी, फरीदाबाद के गांव नाचौली से हेमचंद, भोपानी से बाला, पंचकुला के सैक्टर 26 से विकास गहलोत, गांव नारायणपुर से स्वर्णजीत कौर, सोनीपत के गांव बड़वासनी से राजेश, जगदीशपुर से पुष्पा, कुरूक्षेत्र के गांव भौरसैदां से संतोष कुमार, कैलाश नगर से पूजा रानी, नूंह के ऊजीना से प्रमोद कुमार, संगेल से ज्योति, फतेहाबाद के गांव डांगरा से सुरेश कुमार, अमानी से सुमन, झज्जर के गांव सासरौली से रणबीर, माजरी से सोनिका, अंबाला के गांव सुल्तर से मेहर सिंह, रतनगढ़ से सोनिका खुराना, रेवाड़ी के बिठवाना से रविन्द्र, घासेढ़ा से दीपिका यादव, रोहतक के गांव चिड़ी से रामनिवास, बलियाना से ममता, सिरसा के संत नगर से बुद्ध सिंह गिल, ओंढा से सोनिया, हिसार के गांव जग्गा बाड़ा से सतबीर व शाहपुर से सुमन शामिल हैं। इन प्रगतिशील किसानों ने गन्ना बीज उत्पादन, कटाई सिलाई, एकीकृत खेती, बेकरी, धान की सीधी बिजाई, फसल अवशेष प्रबंधन, पशु पालन, कृषि उद्यमिता, संसाधन संरक्षण एवं फसल अवशेष प्रबंधन, सोया प्रोडक्ट्स, बेबीकार्न, स्वीटकार्न के माध्यम से फसल विविधीकरण, कटिंग और टेलरिंग, प्राकृतिक खेती, हर्बल साबुन निर्माण, बागवानी, सिलाई एवं कढाई, मशरूम उत्पादन, धान में जल संरक्षण तकनीक, फल व सब्जी परिरक्षण, मंछली पालन, महिला सशक्तिकरण, देसी बीज एवं सब्जी उत्पादन, फसल उत्पादन, वर्मी कम्पोस्ट, पुष्प उत्पादन, जैविक खेती, संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी, आर्ट और क्राफ्ट, प्राकृतिक खेती एवं औषधीय पौधे, सेल्फ हेल्प ग्रुप, मधुमक्खी पालन आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जनीत समाचार	23.3.26	5	3

हकृवि का एबिक कृषि आधारित स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने का मजबूत प्लेटफार्म : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिसार, 22 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): हकृवि का उद्देश्य केवल शोध करना नहीं बल्कि शोध को किसानों और उद्योगों तक पहुंचना है। विश्वविद्यालय ने कृषि, डेयरी और मशरूम के क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बलदेव राज काम्बोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के अंतर्गत तीन नवाचार आधारित स्टार्टअप को स्वीकृत अनुदान राशि के चेक वितरित करने के दौरान कहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य कृषि आधारित स्टार्टअप को मजबूत प्लेटफार्म प्रदान करना है,जिससे नई तकनीकें किसानों और पशुपालकों तक तेजी से पहुंच सके। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के माध्यम से कृषि डेयरी और मशरूम उत्पादन जैसे अन्य क्षेत्रों में आधुनिक समाधान विकसित हो रहे हैं, जो किसानों की आय बढ़ाने और लागत कम करने में सहायक सिद्ध होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	23.3.26	2	3-5

एचएयू का एबिक कृषि आधारित स्टार्टअप को दे रहा मजबूत प्लेटफार्म : प्रो. कांबोज

नवाचार आधारित तीन स्टार्टअप को 20 लाख रुपये के अनुदान चेक वितरित

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) का उद्देश्य केवल शोध तक सीमित नहीं बल्कि नई तकनीकों को किसानों और उद्योगों तक पहुंचाना है। एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) कृषि आधारित स्टार्टअप को मजबूत प्लेटफार्म दे रहा है।

यह बात कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने रविवार को एबिक के तहत तीन नवाचार आधारित स्टार्टअप को अनुदान राशि के चेक वितरित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कृषि, डेयरी और मशरूम उत्पादन क्षेत्र में स्टार्टअप को प्रोत्साहित कर युवाओं को उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान कर रहा है।

एबिक के नियंत्रण अधिकारी एवं अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि वनपरोज एग्रोवेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रबुद्ध मिश्रा को 8 लाख रुपये की किस्त दी गई। यह स्टार्टअप पोटेशियम ह्यूमेट आधारित उत्पाद विकसित कर मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने पर कार्य कर रहा है।

एचएयू में स्टार्टअप के लिए चेक वितरित करते प्रो. कांबोज। स्रोत : संस्थान

वेट सर्व एनिमल केयर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सजल श्रीवास्तव को 10 लाख रुपये की अनुदान राशि जारी की गई। यह स्टार्टअप डेयरी पशुओं में थनैला रोग की पहचान और नियंत्रण के लिए उन्नत डायग्नोस्टिक तकनीक विकसित कर रहा है। रॉयल मशरूम एंड वेजिटेबल एलएलपी के निदेशक अंकित कुमार को इंडोर मशरूम उत्पादन किट परियोजना के लिए 2 लाख रुपये की दूसरी किस्त प्रदान की गई।

एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि केंद्र के माध्यम से स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	23.3.26	4	1-6

स्टार्टअप • वीसी ने एचएयू के एबिक सेंटर की ओर से स्टार्टअप्स के लिए सौंपी अनुदान राशि, उद्देश्य युवाओं को रोजगार देने वाला बनाना

पशुओं के थैनेला रोग की शुरुआत में हो सकेगी पहचान, मशरूम किट होगी तैयार

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर एबिक द्वारा कृषि नवाचार स्टार्टअप्स को अनुदान राशि के चेक वितरित किए गए। इस मौके पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि नवाचार अब केवल शोध तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लैब की आधुनिक तकनीक को सीधे किसानों के खेतों और पशुपालकों की डेयरी तक पहुंचाएगा। एचएयू एबिक सेंटर का उद्देश्य युवाओं को रोजगार देने वाला बनाना है।

एबिक के नियंत्रण अधिकारी एवं अनुसंधान निदेशक डॉ. गजबीर गर्ग ने बताया कि एबिक सेंटर द्वारा जो नए नवाचार चयनित किए गए हैं वे डेयरी में थनैला रोग की पहचान, मशरूम किट और मिट्टी की गुणवत्ता सुधार को लेकर स्टार्टअप को दिया गया है। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि कहा कि एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

एचएयू कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज स्टार्टअप्स को चेक प्रदान करते हुए।

सेंटर की तरफ से इन तीन स्टार्टअप्स को मिली वित्तीय मदद

▪ **पशुओं में थनैला रोग की पहचान:** वट सर्व एनिमल केयर के निदेशक सजल श्रीवास्तव को 10 लाख रुपए की किस्त दी गई। इनका स्टार्टअप लैब आधारित तकनीक से पशुओं में थनैला रोग की शुरुआती पहचान करेगा, जिससे दूध उत्पादन में होने वाले नुकसान को रोका जा सकेगा। यह प्रणाली सब क्लीनिकल मास्टर टेस्ट का पता लगाने में सहायक है जिससे किसान अपने दूध उत्पादन में वृद्धि करके आय में बढ़ोतरी कर सकता है।

▪ **मिट्टी की सेहत सुधारेगा उत्पाद:** वनपरोज एग्रोवेट के प्रबुद्ध मिश्रा को 8 लाख रुपए प्रदान किए गए। यह स्टार्टअप पोटैशियम ह्यूमेट आधारित उत्पाद तैयार कर रहा है। जो मिट्टी की भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणवत्ता को बेहतर बनाकर फसल की वृद्धि, पोषक तत्वों के अवशोषण तथा उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार करता है।

▪ **मशरूम किट से बढ़ेगी कमाई:** रॉयल मशरूम एंड वेजिटेबल के अंकित कुमार को 2 लाख रुपए की दूसरी किस्त मिली। यह स्टार्टअप इंडोर विधि से मशरूम उत्पादन के लिए पोषक तत्वों से भरपूर पास्चुरीकृत कंपोस्ट और मशरूम ग्रोइंग किट बना रहा है। जिससे छोटे स्तर पर भी मशरूम उत्पादन को सरल और सुविधाजनक बनाए जा सकेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण	22.03.2026	--	--

हकृवि में किसानों के लिए फील्ड डे कार्यक्रम आयोजित

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना तथा भारतीय जल प्रबंधन संस्थान के सहयोग से मृदा विज्ञान विभाग द्वारा किसानों के लिए फील्ड डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, जल प्रबंधन तथा उर्वरक प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने की। डॉ दिनेश तोमर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की अनेक उन्नत किस्में विकसित की गई हैं। किसान उन्नत किस्मों के बीज एवं वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार खेती करके कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मूंग की उन्नत किस्म एमएच-421 विकसित की गई है। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को मूंग फसल की बेहतर किस्मों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन जल संरक्षण तकनीक तथा फसल उत्पादन की आधुनिक विधियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में किसानों को मूंग की उन्नत किस्म एचएम-421 के प्रमाणित बीज तथा आवश्यक उर्वरकों का वितरण किया गया, ताकि किसान उन्नत तकनीकों का उपयोग कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान किसानों को मूंग फसल की उन्नत किस्मों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीकों तथा आधुनिक कृषि विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि समय पर सिंचाई, संतुलित उर्वरकों का उपयोग और उन्नत बीजों के प्रयोग से मूंग की पैदावार और गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण भी कराया गया, जहां विभिन्न अनुसंधान प्लॉट, नई किस्मों के प्रदर्शन और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन दिखाया गया। इस अवसर पर डॉ. राम प्रकाश, डॉ. देव राज, डॉ. मुकेश कुमार जाट, डॉ. सुशील कुमार सिंह तथा डॉ. मुली देवी सहित अन्य वैज्ञानिकों ने भी किसानों को संबोधित किया। वैज्ञानिकों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, संसाधनों का सही उपयोग करने और वैज्ञानिक सलाह के अनुसार खेती करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि विश्वविद्यालय समय-समय पर किसानों के लिए प्रशिक्षण, फील्ड डे और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहता है ताकि किसानों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान की जानकारी पहुंचाई जा सके। कार्यक्रम में मृदा विज्ञान विभाग के अन्य वैज्ञानिकों के साथ-साथ पीएच.डी. एवं एमएससी के विद्यार्थियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण	22.03.2026	--	--

हकृवि का एबिक कृषि आधारित स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने का मजबूत प्लेटफार्मः प्रो. बलदेव राज काम्बोज

दक्ष दर्पण

हिसारः हकृवि का उद्देश्य केवल शोध करना नहीं बल्कि शोध को किसानों और उद्योगों तक पहुंचना है। विश्वविद्यालय ने कृषि, डेयरी और मशरूम के क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बलदेव राज काम्बोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के अंतर्गत तीन नवाचार आधारित स्टार्टअप को स्वीकृत अनुदान राशि के चेक वितरित करने के दौरान कहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य कृषि आधारित स्टार्टअप को मजबूत प्लेटफार्म प्रदान करना है,जिससे नई तकनीकें किसानों और पशुपालकों तक तेजी से पहुंच सके। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के माध्यम से कृषि डेयरी और मशरूम उत्पादन जैसे अन्य क्षेत्रों में आधुनिक समाधान विकसित हो रहे हैं, जो किसानों की आय बढ़ाने और लागत कम करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य में एबिक द्वारा और अधिक नवाचारों को प्रोत्साहन दिया जाएगा जिससे युवा उद्यमियों को रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर मिलेंगे। एबिक के नियंत्रण अधिकारी एवं अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने स्टार्टअप्स के लिए प्रदान की गई अनुदान राशि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वनपरोज एग्रोवेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रबुद्ध मिश्रा को आठ लाख रुपए की किस्त प्रदान की गई है। यह स्टार्टअप पोटैशियम ह्यूमेट आधारित उत्पाद बना रहा है जो मिट्टी की भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणवत्ता को बेहतर बनाकर फसल की वृद्धि, पोषक तत्वों के अवशोषण तथा उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार करता है। इसी प्रकार वट सर्व एनिमल केयर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सजल श्रीवास्तव को 10 लाख रुपए की किस्त जारी की गई। इस स्टार्टअप ने डेयरी पशुओं में होने वाले थनैला रोग की पहचान और नियंत्रण के लिए उन्नत डायग्नोस्टिक आधारित तकनीक से लैब स्थापित की है। यह प्रणाली सब क्लीनिकल मास्टर टेस्ट का पता लगाने में सहायक है जिससे किसान अपने दूध उत्पादन में वृद्धि करके आय में बढ़ोतरी कर सकता है। रॉयल मशरूम एंड वेजिटेबल एलएलपी के निदेशक अंकित कुमार को भी उनकी परियोजना के लिए दूसरी किस्त का दो लाख रूपए का चेक प्रदान किया गया। यह स्टार्टअप इंडोर विधि से मशरूम उत्पादन के लिए पोषक तत्वों से भरपूर पास्चुरीकृत कंपोस्ट और मशरूम ग्रोइंग किट बना कर रहा है जिससे छोटे स्तर पर भी मशरूम उत्पादन को सरल और सुविधाजनक बनाए जा सकेगा। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि कहा कि एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर द्वारा प्रदान की गई ट्रेनिंग का उद्देश्य कृषि, डेयरी और मशरूम उत्पादन जैसे क्षेत्रों में नई तकनीक को बढ़ावा देना है ताकि किसानों और पशुपालकों को आधुनिक समाधान उपलब्ध हो सके और उनकी आय में बढ़ोतरी हो सके। यह विश्वविद्यालय और स्टार्टअप एक दूसरे के साथ मिलकर किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

» हकृवि ने एबिक के स्टार्टअप्स को अनुदान राशि जारी की

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	22.03.2026	--	--

सच कहूँ मँच वहूँ
epaper.sachkahoon.com
22 Mar 2026 - Page 7

हिसार में कल से लगेगा कृषि मेला, 42 प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री करेंगे शिरकत

हिसार (सच कहूँ/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 23 व 24 मार्च को दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। इस मेले में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि रहेंगे। मेले के दौरान हरियाणा के विभिन्न जिलों से चयनित 42 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय का गेट न. चार।

विश्वविद्यालय के कुलपति बलदेव राज काम्बोज के अनुसार, प्रत्येक जिले से दो किसानों का चयन कृषि, पशुपालन, उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर किया गया है।

सम्मानित होने वाले इन किसानों में जिला करनाल के गांव गगसीना से जगबीर सिंह, प्योंत से प्रियंका, पलवल के गांव यादूपुर से भगवान स्वरूप, अल्लिका से ज्योति, हिसार के गांव सातरोड कलां से राजेन्द्र सिंह, सदलपुर से प्रोमिला खीचड़, भिवानी के गांव रानीला से मुंशी राम, ईशरवाल से सुदेश, यमुनानगर के गांव रादौरी से छवि प्रकाश, मिल्कखास से रेखा रानी, पानीपत के गांव बिल्लासपुर से प्रवीन, नौल्था से निशु, महेन्द्रगढ़ के मोहल्ला लाला वाला कुआ से ओम प्रकाश यादव, गांव राजावास से जागृति, जींद के गांव रधाना से दलबीर सिंह चहल, रामराय से कुसुम, कैथल के गांव लदानाचक्कू से जोधाराम, खेडीलांबा से मुकेश देवी, फरीदाबाद के गांव नाचौली से हेमचंद, भोपानी से बाला, पंचकुला के सेक्टर 26 से विकास गहलोत, गांव नारायणपुर से स्वर्णजीत कौर, सोनीपत के गांव बड़वासनी से राजेश, जगदीशपुर से पुष्पा, कुरुक्षेत्र के गांव भौरसैदां से संतोष कुमार, कैलाश नगर से पूजा रानी, नूंह के उजीना से प्रमोद कुमार, संगेल से ज्योति, फतेहाबाद के गांव डांगरा से सुरेश कुमार, अमानी से सुमन, झज्जर के गांव सासरौली से रणबीर, माजरी से सोनिका, अंबाला के गांव सुल्लर से मेहर सिंह, रतनगढ़ से सोनिका खुराना, रेवाड़ी के बिठवाना से रविन्द्र, घासेड़ा से दीपिका यादव, रोहतक के गांव चिड़ी से रामनिवास, बलियाना से ममता, सिरसा के संत नगर से बुद्ध सिंह गिल, ओढां से सोनिया, हिसार के गांव जग्गा बाड़ा से सतबीर व शाहपुर से सुमन शामिल हैं। इन किसानों ने प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, जैविक खेती, जल संरक्षण, वर्मी कम्पोस्ट और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह मेला किसानों को नई तकनीकों और आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।